5

WOODS

हिंदी दर्पण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

हिंदी दर्पण–5

1. जीवन का प्रभात

(क) 1. प्रभात 2. गात 3. वात **(ख)** रजनी की लाज समेटो तो, कलरव से उठ कर भेंटो तो, अरुणाचल में चल रही वात, अब जागो जीवन के प्रभात। **(ग)** 1. कवि का आशय जीवन में नई आशा का संचार करने से है। 2. कवि ने हिमकणों की तुलना आँसुओं से की है। 3. प्रात:काल जागने वाला ही सुख प्राप्त करता है। 4. कवि हमें जागकर अपने कार्य में जुट जाने के लिए कह रहा है। **भाषा की बात–(क)** प्रभात, आँसू, गात, अरुण, वात, रजनी, कलरव, अरुणाचल **(ख)** यशप्राप्त, वनवास, आशातीत, जीवनप्रभात, घुड़सवार, नयनतारा, जेबखर्च, शोकाकुल **(ग)** संध्या, प्रात:, दुखद, दिन, पश्चिम, प्रात:काल **(घ)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

2. सत्यवादी हरिश्चंद्र

(क) 1. तारामती 2. रोहिताश्व 3. एक ब्राह्मण 4. एक ब्राह्मण ने **(ख)** 1. विश्वामित्र ने हरिश्चंद्र से 2. हरिश्चंद्र ने अपनी पत्नी तारामती से 3. विश्वामित्र ने हरिश्चंद्र से **क्यों?** 1. क्योंकि विश्वामित्र ने संपूर्ण राज्य दान कर दिया था। 2. क्योंकि श्मशान का कर देना अनिवार्य था। 3. क्योंकि विश्वामित्र अपनी सत्यवादिता व दानशीलता पर अटल रहते थे। **(ग)** 1. राजा हरिश्चंद्र में सत्यवादिता व दानशीलता के गुण थे। 2. राजा ने स्वयं को श्मशान के मालिक को बेचकर तथा तारामती व रोहिताश्व को एक ब्राह्मण को बेचकर दक्षिणा का प्रबंध किया। 3. तारामती ने श्मशान का कर अपनी साड़ी का कुछ भाग देकर चुकाया। 4. इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सत्य एवं धर्म का पालन हमेशा करना चाहिए। **भाषा की बात– (क)** पुत्री, पत्नी, रानी, ब्राह्मणी, माता, देवी **(ख)** असत्य, असंभव, अशांति, असहनीय, अनिश्चय, अनुचित, अनुपस्थित, अधर्म **(ग)** राजा, विष, दु:ख, मृत्यु, दिन, अंतिम, मालकिन **(घ) रात**–निशा, रजनी **पुत्र**–सुत, तनय **राजा**–नृप, नरेश **दिन**–दिवस, वार **देवता**–देव, निर्जर **करने की बारी**–स्वयं करें।

3. हमारे उपयोगी वृक्ष

(क) 1. बरगद 2. नीम गाछ 3. नीम 4. बरगद **(ख)** 1. प्रदूषणयुक्त 2. नीम 3. भारतीय मूल का 4. फूल 5. 15 **(ग)** 1. नीम के बारे में यह मान्यता है, कि यह वृक्ष जहाँ होता है, वहाँ रोग नहीं पनपता। इसकी सूखी पत्तियाँ जलाई जाएँ, तो मच्छर भाग जाते हैं और मलेरिया से बचाव हो जाता है। 2. पीपल की पत्तियों में प्रोटीन, कैल्सियम व फॉस्फोरस की प्रचुर मात्रा होती है। इसकी पत्तियाँ बकरियों और हाथी को विशेष प्रिय होती हैं। पीपल के वृक्ष से रबर और गोंद भी मिलता है। इसकी लकड़ी सफ़ेद व भूरी, हल्की, मज़बूत व टिकाऊ होती है। इसकी लकड़ी से पैकिंग केस, माचिस बॉक्स, बर्तन आदि बनाए जाते हैं। इसकी छाल में चार प्रतिशत टेनिन होती है, जो रँगाई में प्रयुक्त होती है। पीपल की ताज़ी छाल का अर्क खून साफ़ करता है। छाल के पानी के कुल्ले करने से मसूड़ों की सूजन मिटती है। पीपल का चूर्ण दमा में आराम पहुँचाता है। इसकी छाल को पीसकर, घाव पर लगाने से पुराना घाव तक ठीक हो जाता है। इसकी पत्तियों को गरम करके सूजे अंग पर बाँधने से सूजन मिट जाती है। इसके बीजों को शहद के साथ चाटने से रक्त विकार दूर हो जाता है। इस प्रकार पीपल बहुउपयोगी वृक्ष है और यह पर्यावरण को संतुलित रखता है। 3. बरगद का वृक्ष तेज़ी से बढ़ता है। 4. बबूल के वृक्ष की पत्तियों में 15 प्रतिशत प्रोटीन होता है। इसे पशु बड़े चाव से खाते हैं। बबूल की फलियाँ व छाल चमड़ा रँगने के काम आती है। इसकी

लकड़ी को जलाने, कृषि के औज़ार बनाने एवं इमारतों में प्रयोग किया जाता है। बबूल का गोंद काफ़ी उपयोगी होता है। 5. शीशम के वृक्ष की लकड़ी का उपयोग फर्नीचर, तोपगाड़ी के पहिए बनाने तथा इमारतों में किया जाता है। इस पर खुदाई एवं नक्काशी का काम अच्छा होता है। शीशम की जड़ों से निकला तेल चिकित्सा के लिए प्रयोग किया जाता है। इसकी पत्तियाँ अच्छा चारा प्रदान करती हैं। यह वृक्ष भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाता है। **भाषा की बात–(क)** 1. उपयोग, ई 2. राजस्थान, ई 3. आयुर्वेद, इक 4. पथ, इक 5. भारत, ईय **(ख)** अनुपयुक्त, अप्रसन्न, अनुपयोगी, पाप, अनुचित, अविद्यमान, उथली, असंतुलित **(ग)** 1. उपयोगी 2. घना, विशाल 3. चमकदार 4. ताज़ी, साफ़ 5. पुराना, ठीक **करने की बारी–**स्वयं करें।

4. गंगा की कहानी

(क) 1. साठ हज़ार 2. भगीरथ 3. 45 किमी० 4. पद्मा **(ख)** 1. गोमुख 2. गढ़मुक्तेश्वर 3. गंगाद्वार 4. गंगोत्री धाम 5. गंगाजल **(ग)** 2. गंगा स्वर्ग से आई, इसलिए इसे 'सुरसरि' कहा जाता है। 3. कानपुर पहुँचने पर चमड़े के कारखानों की गंदगी गंगा में गिरती है, जिससे गंगा प्रदूषित होती है। 4. पौराणिक कथा के अनुसार सूर्यवंशी राजा सगर के साठ हज़ार श्रापित पुत्रों को श्राप-मुक्त करने के लिए, उन्हीं के वंशज भगीरथ द्वारा गंगा को धरती पर लाया गया। 5. अनेकानेक शहरों से होती हुई जब गंगा तीर्थराज प्रयाग पहुँचती है, तो यहाँ गंगा का यमुना से मिलन होता है। सरस्वती नदी की गुप्त धारा भी यहाँ इससे मिलती है–इसीलिए इसे 'त्रिवेणी' के नाम से जाना जाता है। **भाषा की बात–(क)** स्वयं करें। **(ख) गंगा–** जाह्नवी, भगीरथी **भारत–**आर्यवर्त, हिंदुस्तान **सूर्य–**दिनकर, दिवाकर **धरती–**भू, धरा, वसुंधरा **शिव–**नीलकंठ, महादेव, कपालेश्वर **(ग)** अपूज्य, सीमित, स्वच्छ, भूत, मलिन **करने की बारी–**स्वयं करें।

5. विश्व कवि रवींद्रनाथ टैगोर

(क) 1. 1861 ई० में 2. रवि 3. 1913 ई० में 4. 1941 ई० में **(ख)** 1. धनाढ्य 2. घर 3. हिमालय 4. 1919 5. मानवता **(ग)** 1. रवींद्रनाथ का जन्म एक धनाढ्य परिवार में हुआ था। नौकरों की अधिकता के कारण, वे बचपन में स्वतंत्रतापूर्वक इधर-उधर नहीं घूम पाते थे। 2. बालक 'रवि' को विद्यालय जाना इसलिए अच्छा नहीं लगता था, क्योंकि वहाँ वे स्वतंत्र होकर प्रकृति को नहीं निहार पाते थे। 3. रवींद्रनाथ एक ऐसा विद्यालय खोलना चाहते थे, जो चारदीवारी से घिरा न हो, जहाँ प्रकृति का साम्राज्य हो, जहाँ बच्चे पेड़ों के नीचे बैठकर शिक्षा प्राप्त करें। 4. 1919 में जलियाँवाला बाग हत्याकांड के कारण रवींद्रनाथ ने 'सर' की उपाधि लौटा दी। **भाषा की बात–(क) गुरु–**शिक्षक, पथप्रदर्शक **प्रतिभा–** कौशल, विशेष योग्यता **ईश्वर–**भगवान, परमेश्वर **सूर्य–**दिनकर, मार्तंड **(ख)** प् + अ + र् + इ + व् + आ + र् + अ, अ + व् + अ + स् + थ् + आ, प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ, व् + इ + श् + व् + अ, व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ **(ग)** 1. रवींद्रनाथ ने गीतांजलि की रचना की। 2. वे प्रकृति की उपासना करते थे। 3. रवींद्र मानवता के उपासक थे। 4. रवींद्र की प्रारंभिक शिक्षा घर पर हुई थी। 5. अंग्रेज़ों ने उन्हें सर की उपाधि प्रदान की थी। **करने की बारी–**स्वयं करें।

6. चेतक

(क) 1. घोड़े पर 2. महाराणा प्रताप 3. अकबर 4. चित्तौड़ **(ख)** चेतक की टापों से शत्रुओं के भाले व तरकश गिर गए उनके शरीर घायल हो गए। घोड़े की ऐसी वीरता देखकर शत्रु दंग रह गए। **(ग)** 1. इस कविता में चेतक का गुणगान हल्दी घाटी के युद्ध में उसकी भूमिका, वीरता

एवं साहस के कारण किया गया है। 2. चेतक वीर, साहसी, फुर्तीला, समझदार व स्वामिभक्त था। 3. चेतक ने युद्ध में अपनी टापों से प्रहार कर शत्रुओं के भाले, तरकश गिरा दिए व शत्रुओं को घायल कर दिया जिससे शत्रु समाज दंग रह गया। 4. चेतक को 'बढ़ते नद-सा' इसलिए कहा गया है क्योंकि वह एक तीव्र वेग से बह रही नदी के समान शत्रुओं के पास पहुँच जाता था। 5. चेतक ने अपना कौशल युद्ध भूमि में शत्रुओं के भालों, ढालों व तलवारों के बीच दिखाया। **भाषा की बात–(क) घोड़ा**–अश्व, तुरंग **हवा**–वायु, पवन **बादल**–घन, जलद, **रण**–युद्ध भूमि, रण भूमि **शत्रु**–दुश्मन, अरि **(ख) कोड़ा**– घोड़ा, मोड़ा **चालों**–भालों, ढालों **लहर**–ठहर, कहर **निराला**–पाला, ढाला **दंग**–अंग, रंग **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

7. भारत के गाँव

(क) 1. शहर 2. चश्मा 3. हवा 4. फसल **(ख)** 1. किताब 2. भेड़-बकरियाँ 3. नालों 4. रफ्तार 5. गहरी **(ग)** 1. मोनू ने खिड़की से भेड़ें देखीं। 2. दादा जी ने ट्रैक्टर के प्रयोग की ये हानियाँ बताईं-इनसे खाद के लिए गोबर नहीं मिलता। इनका धुआँ हमारे वातावरण को प्रदूषित कर देता है। गाँव की स्वास्थ्यवर्धक हवा इस धुएँ से ज़हरीली होने लगी है। 3. गाँव में पेड़ काटे जाने के कारण मिट्टी की पानी को रोकने की शक्ति कम हो गई थी। पक्की सड़कें बन जाने से तालाब की तरफ़ का ढलान कम हो गया। जिससे बरसात का पानी तालाब के स्थान पर नालों में बह जाता था। इसलिए गाँव का तालाब सूख गया था। 4. जब मोनू ने कहा, कि दादा जी, मैं गाँव में ही रहूँगा। पापा से कहूँगा, कि वे 'रेन हारवेस्टिंग' की जानकारी देनेवाले अंकल को लेकर गाँव आएँ। फिर तो तालाब पानी से भर जाएगा! मैं आपके साथ चलूँगा। चाचा जी के खेत के चारों तरफ़ हम बहुत-से पेड़ लगाएँगे। तब मोनू की इस बात को सुनकर दादा जी खुश हो गए। 5. गाँव के जीवन के विषय में दादा जी ने मोनू को बताया कि गाँव का जीवन खेती-बाड़ी और पशुओं से जुड़ा है। ज़मीन पर किसान खेती करते हैं और जानवर इसमें उनकी मदद करते हैं। **भाषा की बात–(क)** उत्साहित, ज़हरीला, सम्मानित, चमकीला, व्यवस्थित, कँटीला, सीमित, सुरीला **(ख)** स्वयं करें। **(ग)** 1. अवाक रह जाना 2. चैन की साँस लेना 3. आदत पड़ना **करने की बारी**–स्वयं करें।

8. जो कोई न कर सके

(क) 1. गली से 2. मिट्टी का 3. गढ़ पर 4. गली में 5. हाथी का **(ख)** 1. बच्चों ने बीरबल से 2. अकबर ने बीरबल से 3. बीरबल ने महावत से 4. बीरबल ने बच्चों से **(ग)** 1. बीरबल ने बच्चों की मदद से गढ़ के बराबर में मिट्टी का ढेर लगा दिया फिर बच्चों से उस ढेर को समतल करवा दिया। हाथी उस समतल रास्ते से गढ़ पर चढ़ गया। 2. बीरबल ने मिट्टी के ढेर को पूरी गली में बिखेरने के लिए इसलिए कहा ताकि किसी को मालूम न हो कि हाथी गढ़ पर कैसे चढ़ा। 3. गढ़ पर चढ़े हाथी को देखकर बादशाह ने दाँतों तले उँगली दबा ली। दूर-दूर से लोग उस हाथी को देखने आने लगे। सब चकित थे, कि हाथी चढ़ा तो चढ़ा कैसे। और वह भी बिना रास्ते के! 4. बीरबल ने सब बच्चों को बुलाया और गढ़ तक मिट्टी का ढेर लगवा दिया, और हाथी को गढ़ से नीचे उतार लिया। **भाषा की बात–(क)** स्वयं करें। **(ख)** बच्चे, गलियाँ, कँगूरे, टोलियाँ, रास्ते, तसलियाँ, मोहल्ले, पाइयाँ **(ग)** 1. गप्पें हाँकना **वाक्य प्रयोग**-श्याम दिन-रात गप्पें हाँकता है। 2. दंग रह जाना **वाक्य प्रयोग**-हाथी के करतब देखकर लोगों ने दाँतों तले उँगली दबा ली। 3. इधर-उधर फैलाना। **वाक्य प्रयोग**-बच्चे ने खिलौने तितर-बितर कर दिए। **(घ)** गुलाम, प्रश्न, बूढ़े, नीचे, बुरा, पास, दुखी, चढ़ाना

10. मेला

(क) 1. मेला 2. कपड़े 3. ये दोनों 4. मिनी रेल पर **(ख)** 1. जिद 2. पढ़ाई 3. हीरो 4. बीमारियाँ 5. उम्मीदों **(ग)** 1. चाचा जी ने मेले में न जाने का यह बहाना बनाया कि वे बहुत थक गए हैं और उनसे चला नहीं जाएगा। 2. चाचा जी ने बाहर का खाना खाने के ये नुकसान बताए–बाहर का खाना खाने से बीमारियाँ हो जाती हैं; जैसे– दस्त, हैज़ा, खाँसी, बुखार। 3. खाना खाने के बाद बच्चे सरकस जाना चाहते थे। 4. बच्चे खिलौने इसलिए नहीं खरीद सके क्योंकि चाचा जी खिलौनों के बहुत कम दाम दे रहे थे। **भाषा की बात–(क)** स्वयं करें। **(ख)** 1. सुबह 2. ज़ोर–ज़ोर 3. थोड़ा 4. ऊपर 5. बाहर 6. आज **(ग) विशेषण–**1. ठिगने 2. रंग–बिरंगे 3. बड़ी 4. सुनसान **विशेष्य–**1. चाचाजी 2. कपड़े 3. दुकान 4. रास्ता। **(घ)** दूर, धरती, लंबा, घटिया, नापसंद **करने की बारी–**स्वयं करें।

11. मुंबई की सैर

(क) 1. समुद्र 2. बॉलीवुड 3. जुहू चौपाटी 4. गणेश चतुर्थी 5. हमारी मुंबई **(ख)** 1. फिल्मनगरी 2. मराठी 3. उद्योग–धंधे 4. बदंरगाह 5. लोकल ट्रेन **(ग)** 1. लेखक को मुंबई नगर की जानकारी नहीं थी इसलिए लेखक ने मुंबई में गाइड की सहायता ली । 2. ऐलीफेंटा की गुफ़ाओं में पत्थर पर नक्काशी करके सुंदर मूर्तियाँ बनाई गई हैं। 3. मुंबई में लेखक ने गेटवे ऑफ़ इंडिया, मैरीन ड्राइव, नरीमन पॉइंट, तारापोरवाला मत्स्यालय, जुहू समुद्र तट, हैंगिंग गार्डन आदि दर्शनीय स्थानों की सैर की। 4. मुंबई के विशेष खाद्य–पदार्थ वड़ा–पाव, भेलपूरी और श्रीखंड हैं। 5. बंदरगाह पर भारत में बननेवाली अनेक वस्तुएँ जलयानों द्वारा विदेशों को भेजी जाती हैं। विदेशी वस्तुएँ भी जलयानों द्वारा बंदरगाह पर आती हैं। **भाषा की बात–(क)** अवकाश, संध्या, किनारा, पास, पकवान, जगह। **(ख)** सुबह, स्वदेश, कुरूप, दूर, रात, बुरा, सामान्य, अभिनेत्री **(ग)** प्र+मुख, उप+चार, प्र+देश, वि+शेष, अ+ज्ञान, प्रति+कूल, अप+मान, कु+पुत्र, नि+डर, अ+धर्म **करने की बारी–**स्वयं करें।

12. कदंब का पेड़

(क) 1. कदंब का 2. बाँसुरी बजाना 3. यमुना **(ख)** 1. यह कदंब का पेड़ अगर माँ, होता यमुना तीरे, मैं भी उस पर बैठ, कन्हैया बनता धीरे–धीरे। 2. तुमको आता देख, बाँसुरी रख मैं चुप हो जाता, पत्तों में छिपकर धीरे से, फिर बाँसुरी बजाता। 3. तुम घबराकर आँख खोलतीं, फिर भी खुश हो जातीं, जब अपने मुन्ना राजा को, गोदी में ही पातीं। **(ग)** 1. यदि कदंब का पेड़ यमुना के किनारे होता, तो बालक उस पर बैठकर कन्हैया बनने की कोशिश करता। 2. बालक द्वारा बाँसुरी बजाने पर माँ इतनी खुश हो जाती कि बालक को देखने के लिए अपना काम छोड़कर बाहर तक आती। 3. माँ बालक को पेड़ से नीचे उतरने के लिए मिठाई, नए खिलौनों, मक्खन, मिसरी, दूध, मलाई का प्रलोभन देती। **भाषा की बात–(क)** मींचे, जाता, जातीं, बुलाता, तीरे, वाली **(ख)** **माँ–**जननी, माता **कृष्ण–**गिरधर, गोपाल **ईश्वर–**प्रभु, परमात्मा **पेड़–**वृक्ष, तरु **आँख–**नेत्र, लोचन **(ग)** बाँसुरियाँ, डालियाँ, पत्ते, पैसे, आँखें, मिठाइयाँ **(घ)** स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।

13. पंच परमेश्वर

(क) 1. मित्रता 2. बूढ़ी खाला 3. करीमन 4. दो बैल **(ख)** 1. दुश्मन 2. फैसला 3. घटना 4. समझू साहू 5. पंच परमेश्वर **(ग)** 1. जायदाद की रजिस्ट्री के पहले खाला का खूब

आदर-सत्कार किया जाता था। 2. जायदाद की रजिस्ट्री हो जाने के बाद जुम्मन शेख ने अपनी खाला को रोटी देनी बंद कर दी। 3. अलगू चौधरी दो बैल खरीदकर लाए थे, उन बैलों में से एक बैल मर गया तो उन्होंने दूसरा बैल गाँव में समझू साहू के हाथ बेच दिया। उसने एक महीने में दाम चुकाने का वादा किया था। समझू साहू ने नया बैल पाया, तो उससे अत्यधिक काम लेने लगे। उसके चारे-पानी का भी ध्यान न रखा। एक दिन समझू साहू ने उस पर दुगना बोझ लाद दिया। बैल बोझ ढोने में मर गया। इस घटना को कई महीने बीत गए। अलगू जब अपने बैल का दाम माँगते, तब साहू झल्ला उठते और उनके दाम न देते थे। इसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। 4. दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद जुम्मन ने यह फ़ैसला सुनाया, ''अलगू चौधरी और समझू साहू! पंचों ने तुम्हारे मामले में अच्छी तरह विचार किया। समझू के लिए उचित है, कि वह बैल का पूरा दाम दें। जिस समय उन्होंने बैल लिया था, उस समय उसे कोई बीमारी न थी। बैल की मृत्यु केवल इस कारण से हुई, कि उससे काम अधिक लिया गया और उसके दाने-पानी का ध्यान नहीं रखा गया।'' 5. इस पंक्ति का अर्थ है–अलगू व जुम्मन में फिर से मित्रता हो गई। **भाषा की बात–** **(क)** मित्रता, भारी, सत्यता, बीमारी, धृष्टता, ज़िम्मेदारी, समानता, संबंधी (ख) ज्+उ+म्+म्+अ+न्+अ, अ+ल्+अ+ग्+ऊ, च्+औ+ध्+अ+र्+ई, ख्+अ+र्+च्+आ, फ्+ऐ+स्+अ+ल्+आ **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।

14. स्वास्थ्य और व्यायाम

(क) 1. कसरत 2. व्यायाम 3. ये दोनों **(ख)** 1. स्वस्थ 2. खेल-कूद 3. पी०टी० 4. व्यायाम 5. व्यायाम **(ग)** 1. व्यायाम करने से शरीर स्वस्थ रहता है। 2. (i) सवेरे जल्दी उठकर घूमने जाना, (ii) योग करना। 3. खेलने-कूदने से शरीर में तेज़ी से रक्त संचार होता है। अधिक ऑक्सीजन जाने से प्राण शक्ति बढ़ती है और शरीर पुष्ट होता है। 4. उपयुक्त व्यायाम का चुनाव इसलिए आवश्यक है क्योंकि सभी व्यायाम प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक अवस्था में लाभदायक नहीं हो सकते। समय, आयु एवं शरीरिक शक्ति के अनुसार ही व्यायाम करना चाहिए। 5. व्यायाम के संबंध में पहली सावधानी है– सही व्यायाम का चुनाव। इसके बाद उपयुक्त समय, व्यायाम की उचित मात्रा आदि निश्चित करना चाहिए। व्यायाम करते समय यदि थकान का अनुभव हो, तो व्यायाम तुरंत बंद कर देना चाहिए। इसका अभ्यास धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए। व्यायाम करते समय नाक से साँस लेनी चाहिए, खाना खाने के पश्चात् व्यायाम नहीं करना चाहिए। व्यायाम के बाद तुरंत नहाना नहीं चाहिए। व्यायाम करने के थोड़ी देर बाद कुछ पौष्टिक पदार्थ; जैसे–दूध, फल का रस आदि लेना चाहिए। **भाषा की बात–(क)** स्वयं करें। **(ख)** उ+प्+ए+क्+ष्+आ, म्+आ+त्+र्+आ, ज्+ञ्+आ+न्+अ, श्+र्+अ+म्+अ **(ग)** आदमी, राक्षस, शरीर, चीजें, लड़का, व्यायाम, पौधा, सामग्री **करने की बारी–**स्वयं करें।

15. शहीदों की मज़ारों पर

(क) 1. गोरखपुर जेल में 2. छह फुट 3. शिव वर्मा 4. ये दोनों **(ख)** 1. क्रांतिकारियों के बलिदान को सफल बनाने के लिए अनेक भारतीय जन्म लेंगे और देश को आज़ादी दिलाने में सहयोग करेंगे। 2. हम देश पर मर मिटने वाले हैं तथा जल्लाद के सामने आदर से झुक जाते हैं। **(ग)** फ़ाँसी का फ़रमान सुनकर बिस्मिल ठहाका मारकर इसलिए हँसे क्योंकि उन्हें देश पर शहीद होने की प्रसन्नता अनुभव हो रही थी। 2. बिस्मिल जेल में भी माँ का सिखाया 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' वाला पाठ नहीं भूले थे। 3. एक साधारण माँ अपने पुत्र के विचलित होने पर

बुरी तरह परेशान हो जाती है जबकि बिस्मिल की माँ बिस्मिल के विचलित होने पर उन्हें उनके देश पर शहीद होने को प्रेरित करती हैं। 4. बिस्मिल मृत्यु से नहीं डरते थे। उनके अनुसार मृत्यु क्या है? सिर्फ कपड़ा ही तो बदलना है। 5. फ़ाँसी पर चढ़ने से पूर्व बिस्मिल ने प्रसन्न मन से फ़ंदे को चूमकर उसे स्वयं विजय-माला की भाँति गले में डाल लिया। **भाषा की बात–(क) जननी–**माँ, माता **मुक्त–**स्वतंत्र, आजाद **वेदना–**कष्ट, शोक **गर्व–**दर्प, घमंड **खून–**रक्त, लहू **(ख)** परम+आनंद, पद्म+आसन, मोह+आवृत्त, विजय+उल्लास **(ग)** 1. स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।

17. समय बहुत ही मूल्यवान है

(क) 1. समय 2. समय 3. घड़ी 4. ये दोनों **(ख)** 1. विद्या खो जाती, फिर भी पढ़ने से है आ जाती, लेकिन खो जाने से मिलती नहीं, समय की थाती। 2. गाँठ बाँध लो, नहीं पड़ेगा कभी तुम्हें दु:ख ढोना, समय बहुत ही मूल्यवान है, व्यर्थ कभी मत खोना। **(ग)** 1. हरिकृष्ण देवसरे 2. बीता हुआ समय 3. महात्मा गांधी को समय की बरबादी अच्छी नहीं लगती थी। 4. जो व्यक्ति समय को नष्ट करता है वह जीवन भर पछताता रहता है व दु:खी रहता है। **भाषा की बात–(क)** कीमती, मेहनत, बेकार, खजाना, कोशिश, कमर **(ख)** स्वयं करें। **(ग)** 1. हाथ नहीं आता 2. गाँठ बाँध लो 3. हाथ मलता रह गया। **करने की बारी–**स्वयं करें।

18. ओणम

(क) 1. ये दोनों 2. सामूहिक 3. सिर **(ख)** 1. श्रावण 2. वामन 3. स्वागत 4. केले 5. सर्पाकार **(ग)** 1. केरलवासियों का यह दृढ़ विश्वास है, कि प्रत्येक वर्ष राजा महाबलि 'तिरुओणम' के दिन केरल राज्य में अपनी प्रजा से मिलने आते हैं। केरलवासियों द्वारा अपने राजा के स्वागत के रूप में 'ओणम' मनाया जाता है। 2. महाबलि अत्यंत दयालु और दानी थे। उनके राज्य में चारों तरफ़ सुख-शांति फैली हुई थी। 3. धीरे-धीरे महाबलि का राज्य बढ़ता गया। यह बात स्वर्ग में देवराज इंद्र तक पहुँची। उन्हें अपने सिंहासन की चिंता हुई। अत: देवराज इंद्र भगवान विष्णु के पास महाबलि के विरुद्ध सहायता लेने पहुँचे। 4. ओणम के दिन विशेष रूप से चावल, दाल, पापड़, साँभर, उप्पेरी (पकौड़ी), पायसम (खीर) आदि पकवान बनाए जाते हैं। 5. ओणम त्योहार पर नौका-दौड़ देखने के लिए पर्यटक दूर-दूर से केरल आते हैं। **भाषा की बात–(क)** परीक्षाएँ, मूर्तियाँ, प्रार्थनाएँ, लड़कियाँ, कविताएँ, स्त्रियाँ, नौकाएँ, नदियाँ **(ख)** 1. सर्पाकार 2. मनमोहक 3. अपराह्न 4. दयालु 5. पर्यटक **(ग)** स्वयं करें। **(घ) राजा–**नृप, नरेश **भगवान–**ईश, प्रभु **भूमि–**धरा, धरती **पत्र–**खत, चिट्ठी **दिन–**दिवस, वार **करने की बारी–**स्वयं करें।

19. यात्रा

(क) 1. तीन सौ 2. उत्तर प्रदेश में 3. सराई 4. सरदार मूलासिंह **(ख)** 1. पंजाब के विभाजन के समय लोगों के बीच मार-काट हो गई थी। 2. दंगे समाप्त होने पर दोनों ओर के लोगों के बीच आपसी भाईचारे का विश्वास उठ चुका था। **(ग)** 1. गाड़ी द्वारा लाहौर स्टेशन से आगे बढ़ने पर लेखक का मन इसलिए काँप गया क्योंकि वे लोग उस ओर जा रहे थे, जहाँ चौदह साल पहले ऐसी आग लगी थी, जिसमें लाखों जल गए थे और लाखों लोगों के शरीर पर जलने के निशान आज तक बने हुए हैं। 2. लेखक और उनके साथ सभी यात्री पाकिस्तान की यात्रा पर पंजेसाहब गुरुद्वारे के दर्शन के लिए निकले थे। 3. लेखक की माँ के पाकिस्तान जाने के फ़ैसले का सबने विरोध इसलिए किया था क्योंकि उन दिनों, पंजाब का विभाजन घोषित हो चुका था और चारों ओर

लड़ाई-झगड़े हो रहे थे। 4. लेखक ने अधनींदी अवस्था में स्वप्न देखा कि कोई लाल-सी तरल चीज़ उसे अपने चारों ओर फिरती हुई अनुभव हुई होती थी। उसे लग रहा था, उस लाल-सी चीज़ पर उसके पैर पड़ रहे हैं। 5. सराई गाँव के लोग लेखक के संबंधियों की कुशल-क्षेम पूछते हुए, अपने हाथ की पोटलियाँ उन्हें और माँ को थमाते जा रहे थे। उनमें बादाम, अखरोट, किशमिश आदि सूखे मेवे बँधे हुए थे। और वे लोग उन्हें प्रेमपूर्वक सराई में ठहरने को कह रहे थे। **भाषा की बात–(क)** 1. भाई-बहन, द्वंद्व 2. एकाध, द्विगु 3. अमृतसर, कर्मधारय 4. अपना-पराया, द्वंद्व 5. दो-चार, द्विगु **(ख)** स्वयं करें। **(ग)** 1. अब 2. घंटों 3. जब 4. यहाँ, वहाँ 5. प्रतिदिन **करने की बारी–**स्वयं करें।

20. सच्ची मित्रता

(क) 1. रुक्मणी 2. गरीब ब्राह्मण 3. मित्र 4. दु:खी 5. भुने हुए चावल **(ख)** 1. दिनों 2. रुक्मणी 3. सुदामा 4. मित्रता 5. सवेरे **(ग)** 1. सुदामा श्रीकृष्ण के यहाँ आने से पहले इसलिए डर रहे थे क्योंकि उन्हें भ्रम था कि राजा कृष्ण उन्हें पहचान पाएँगे या नहीं। 2. सुदामा श्री कृष्ण के लिए भुने हुए चावल भेंट लाए थे। वे उसे इसलिए छिपा रहे थे क्योंकि वे श्रीकृष्ण के लिए उन्हें तुच्छ भेंट समझ रहे थे। 3. प्रस्थान करने से पहले सुदामा मन में सोचते हैं, कि पत्नी ने कृष्ण से कुछ माँगने को कहा था, लेकिन मैं इनसे क्या माँगूँ और कैसे माँगूँ। 4. कृष्ण ने बिना माँगे ही अपने मित्र को घर, धन-दौलत सब कुछ दिया। 5. रुक्मणी ने कृष्ण को दूसरी मुट्ठी चावल खाने से इसलिए रोका क्योंकि ऐसा करने पर वे अपना सर्वस्व सुदामा को दे देते। 6. अपने घर पहुँचकर सुदामा आश्चर्यचकित इसलिए हुए क्योंकि श्रीकृष्ण ने उन्हें बिना माँगे ही धन-दौलत, घर दे दिया था। **करने की बारी–(क)** 1. निर्धन 2. स्वादिष्ट 3. एक मुट्ठी 4. पुराना, टूटा-फूटा 5. धनवान **(ख) कृष्ण–**गिरधर, गोपाल **पत्नी–**दारा, भार्या **मित्र–**दोस्त, सखा **हाथ–**कर, पाणि **घर–**गृह, आवास **(ग)** 1. ने, को, से 2. ने 3. ने, में 4. की, की, से, ने 5. की **(घ)** स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।